भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर "प्रोजेक्ट एंपैथी" के लिए आईएलबीएस के साथ भाविप्रा की साझेदारी

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 2018 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष डॉ गुरुपुराद महापात्र ने विश्व हेपेटाइटिस दिवस, के उपलक्ष्य पर **28** जुलाई, **2018** को लिवर और बिलीरी साइंसेज संस्थान (आईएलबीएस) में आयोजित समारोह में प्रोजेक्ट एंपैथी (हेपेटाइटिस के खिलाफ लोगों को सशक्त बनाना) का शुभारंभ किया। इस समारोह में श्री संजीव खिरवार, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव, एनसीटी दिल्ली सरकार, डॉ एस के सरिन, निदेशक, आईएलबीएस, सुश्री रुमाना हैमिड, सीईओ, सिप्ला फाउंडेशन और सरकार और कॉर्पोरेट क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भी भाग लिया ।

भाविप्रा से महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग और सीएसआर) श्री संजीव जिंदल और आईएलबीएस के उप प्रमुख (संचालन) डॉ विमल राय शर्मा ने परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका लक्ष्य हैपेटाइटिस के बारे में सहानुभूति और जागरूकता की भावना पैदा करना है । भाविप्रा अपनी सीएसआर पहल के तहत आईएलबीएस को 20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। भाविप्रा के अध्यक्ष डॉ गुरुप्रसाद महापात्र ने इस अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त की और कहा कि "एएआई का लक्ष्य इस अभिनव परियोजना के लिए आईएलबीएस के साथ इस एमओयू पर हस्ताक्षर करके पूरे देश में हेपेटाइटिस के आसपास जागरूकता और सहानुभूति बढ़ाने का है।"

वायरल हेपेटाइटिस दुनिया भर में लगभग 325 मिलियन लोगों को प्रभावित किया है; इससे लगभग 60 मिलियन भारतीय पीड़ित हैं । क्रोनिक हेपेटाइटिस बी और सी सिरोसिस और यकृत कैंसर के रूप में गंभीर यकृत क्षति के प्रमुख कारण बने रहे हैं। हालांकि, इन स्थितियों के लिए निदान और उपचार पद्धतियों के क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है, लेकिन बीमारी और परीक्षण और उपचार सुविधाओं के बारे में जागरूकता की बात आती है तो उसमें अभी बहुत कुछ

करना बाकी है । इन कमियों को दूर करना महत्वपूर्ण है ताकि हम इस बीमारी को खत्म करने की दिशा में प्रगति कर सकें।

आईएलबीएस द्वारा लागू चार साल की परियोजना प्रोजेक्ट एम्पाथी, हैपेटाइटिस के खिलाफ लोगों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इस व्यापक अभियान का लक्ष्य हेपेटाइटिस को नष्ट करना और सामाजिक भागीदारी के लिए भारत में हेपेटाइटिस और उनके परिवारों के लिए एक सक्षम वातावरण बनाना है। परियोजना की एक शाखा निरंतर और अनुरूप व्यवहार परिवर्तन संचार के माध्यम से भारत भर में हेपेटाइटिस बी और सी के बारे में जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित होगी, और दूसरी शाखा एक अनुकूल नीति वातावरण बनाने पर केंद्रित होगी।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक आईएलबीएस डॉ एस के सरीन ने खेद व्यक्त किया कि बच्चों को उनकी बीमारी से उनकी माँ से मिलती है, इसमें उनका कोई कसूर नहीं होता । उन्होंने सभी को "जागरूक बने और जागरूक बनाएँ" और हेपेटाइटिस की सुरक्षा के लिए हर नए उत्पन्न हुए टीकाकरण के लिए प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

Dr

डॉ गुरुपुराद महापात्र, अध्यक्ष, भाविप्रा और प्रोजेक्ट एम्पाथी के लिए भाविप्रा और आईएलबीएस के बीच हेपेटाइटिस के लिए जागरूकता और सहानुभूति पैदा करने के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान आईएलबीएस के निदेशक डॉ एस के सरिन

इसके अलावा, श्री संजीव खिरवार, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एनसीटी दिल्ली सरकार, (दाएं से दूसरे), डॉ विमल राय शर्मा, उप प्रमुख (संचालन), आईएलबीएस और श्री संजीव जिंदल, महाप्रबंधक (सीएसआर), भाविप्रा (बाएं)